।। ओ३म्।।

स्थापना वर्ष – वि. सं. २०६० सन् 2003

पंजी. क्र. – 06/2011/जालोर

श्री वैदिक स्वस्ति पन्था न्यास, वेद विज्ञान मन्दिर

(वैदिक एवं आधुनिक भौतिक विज्ञान शोध संस्थान)

भागलभीम, भीनमाल – 343029 जिला–जालोर (राज.)

चल दूरभाष : 9829148400, 7424980963, 02969 292103

E-mail : swamiagnivrat@gmail.com Website : www.vaidicscience.com

/AcharyaAgnivrat /vaidicrashmitheory /8130773321

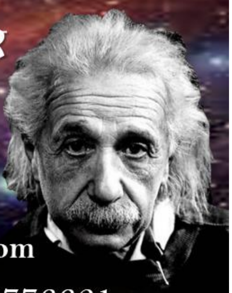

प्रधान संरक्षक : श्रीमद् स्वामी वेदानन्द जी सरस्वती, उत्तरकाशी

संस्थापक, प्रमुख एवं आचार्य : अग्निव्रत नैष्ठिक

OPEN LETTER

To,

Professor Carl Henrik Heddin,
Chairman, the Nobel Foundation
P.O. Box 5232, SE- 10245,
Stockholm, Sweden,
Street address: Sturegatan 14, Stockholm.

विषय– गुरुत्वीय तरंगों की खोज पर अनेक आपत्तियां।

महोदय!

अभी दिनांक 03.10.2017 को गुरुत्वीय तरंगों की खोज पर आपने तीन अमरीकी भौतिक शास्त्रियों को नोबेल पुरस्कार प्रदान किया। इन वैज्ञानिकों के प्रेक्षण एवं उनके परिणाम पर मुझे कुछ आपत्तियां हैं–

1. जब दो ब्लैक होल्स में टक्कर हुई, तब उससे तीन सूर्यों के बराबर द्रव्यमान का ऊर्जा में परिवर्तित होना बताया जा रहा है, वह द्रव्यमान गुरुत्वीय ऊर्जा में परिवर्तित कैसे व क्यों हुआ? हम जानते हैं कि द्रव्यमान जब भी ऊर्जा में परिवर्तित होता है, तब वह गामा किरणों में ही परिवर्तित होता है। क्या इन कथित गुरुत्वीय तरंगों के साथ गामा किरणें भी देखी गयीं? इस कथित गुरुत्वीय ऊर्जा की उत्पत्ति का mechanism क्या है?
2. गुरुत्वीय ऊर्जा क्या है? क्या quantum gravity की समस्या का हल हो गया है? अर्थात् इस ऊर्जा का quanta क्या है? यदि इसका quanta graviton है, तब गुरुत्वीय ऊर्जा एवं गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र समान ही सिद्ध होते हैं। क्या कोई बतायेगा कि graviton का स्वरूप व संरचना क्या है?
3. जिस प्रकार का ब्लैक होल आज माना जाता है, उस प्रकार का पिण्ड इस ब्रह्माण्ड में है, यह भी नितान्त संदिग्ध है। ब्लैक होल पर काल का रुकना माना जाता है, तब क्या कोई बतायेगा कि काल के रुकने का अर्थ क्या है और वह काल किस पदार्थ का नाम है?
4. यदि यह कहा जाये कि कथित ब्लैक होल्स की टक्कर से काल–आकाश में लहरें उत्पन्न होती हैं। इन लहरों को ही गुरुत्वीय तरंगें कहते हैं। तब प्रश्न यह है कि space-time में curvature, fluctuation वा vibration आदि का क्या आशय है? क्या space वा time कोई पदार्थ विशेष के नाम हैं? यदि हाँ, तो उनका स्वरूप व संरचना क्या है? यदि ये पदार्थ

नहीं हैं, तब शून्य (nothing) में curvature वा fluctuation का होना कैसे सम्भव है? चित्रों में तो space-time को जाल के समान बता दिया जाता है परन्तु क्या यह कोई जानता है कि यह जाल किस पदार्थ से बना है? जो कोई space-time को चद्दर (sheet) जैसा मानकर उनकी टक्कर से space-time में पृथ्वी तक fluctuation मानते हों, क्या वे बता सकते हैं कि space-time की चद्दर (sheet) की संरचना वा स्वरूप क्या है?

5. space को time के साथ जोड़ने का क्या कारण है? इनमें परस्पर क्या समानता व सम्बन्ध है?
6. यदि आकाश को vacuum energy का रूप माना जाए, जो virtual particles से भरी रहती है। मैं जानना चाहता हूँ कि जब कोई पदार्थ virtual कहा जाये, तब उसका अस्तित्व ही क्या है? यदि ये real particles हैं, तब इनकी संरचना व स्वरूप क्या है? यदि इन particles का महासागर ही space है, तब यह वि.चु. तरंग से किस प्रकार भिन्न है? अथवा यह एक field का रूप है, जिसमें अनेक प्रकार के quantas हैं? क्या वर्तमान भौतिक शास्त्री ऐसा कह सकेंगे। फिर time क्या है?
7. क्या इन पदार्थों (space-time) में mass होता है, यदि नहीं तो ये पदार्थ massive पदार्थों को क्यों interact करते हैं? जब electric charge युक्त पदार्थ केवल electric charge से युक्त पदार्थ को ही interact कर सकता है, तब सर्वथा mass विहीन पदार्थ mass युक्त पदार्थ को क्यों interact करते हैं? यदि mass होता है, तब इनकी गति प्रकाश वेग से कम होनी चाहिए तथा graviton में mass सिद्ध होना चाहिए। उधर आपकी थ्योरीज़् graviton को massless मानती हैं।
8. हम यह भी जानना चाहते हैं कि गुरुत्वीय बल सबसे अधिक दुर्बल क्यों होता है?
9. पृथिवी के व्यास में जो विचलन बताया जा रहा है, क्या उसका कोई अन्य कारण नहीं हो सकता? यह विचलन इतना सूक्ष्म है कि यह महत्वहीन सा प्रतीत होता है। यदि विचलन हुआ भी है, तब भी हमारे वैदिक विज्ञान की दृष्टि से इसके अन्य अनेक कारण हो सकते हैं।

इन उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर के पश्चात् हम अन्य आपत्तियां आपको भेजेंगे। महोदय! नोबेल पुरस्कार विश्व का सर्वाधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार माना जाता है। इसका उपयोग अति गम्भीरता से विचार करके ही देना चाहिए। पूर्व में भी ब्रह्माण्ड के acceleration पर सन् 2006 व 2011 में दो बार नोबेल पुरस्कार दिया गया। कुछ कालोपरान्त सन् 2016 में वैज्ञानिकों ने कहा-

"Instead of finding evidence to support the accelerated expansion of the universe, Sarkar and his team say it looks like the universe is expanding at a constant rate. If that's truly the case, it means we don't need dark energy to explain it……. Now, to be clear, this is just one study, and it's a big, extremely controversial claim that a Nobel Prize-winning discovery is fundamentally wrong. (No, The Universe is not Expanding at an Accelerated Rate, Say Physicists, This could change everything, BEC CREW 24 Oct. 2016)

इस तरह की मिथ्या खोजों पर नोबेल पुरस्कार का दिया जाना इसके महत्व को कम करना है। गुरुत्वीय तरंगों की खोज के विषय में किये गये इनके प्रेक्षण भले ही सत्य हों परन्तु इनके निष्कर्ष में अनेक त्रुटियां व अपूर्णताएं हैं। हम इन त्रुटियों के निवारण में अपनी वैदिक भौतिकी के द्वारा सहयोग कर सकते हैं।

अब वैज्ञानिक Big Bang के प्रमाण ढूंढने में अपना श्रम, समय व धन व्यय करेंगे। हम विश्वासपूर्वक कहना चाहेंगे कि Big Bang theory तो वर्तमान भौतिकी का सबसे बड़ा झूठ है। हम इस विषय पर किसी के साथ भी संवाद करने की इच्छा रखते हैं। इसके साथ ही इन दोनों विषयों अर्थात् Big Bang एवं gravitational waves पर हम अपने वैदिक भौतिक विज्ञान के द्वारा वर्तमान भौतिकी की समस्याओं को दूर करने का विश्वास करते हैं। आशा है आप हमारे प्रश्नों को उन वैज्ञानिकों, जिनको नोबेल पुरस्कार मिला है, को पहुंचाने का कष्ट करेंगे। इसी आशा के साथ।

आचार्य अग्निव्रत नैष्ठिक, वैदिक वैज्ञानिक
अध्यक्ष, श्री वैदिक स्वस्ति पन्था न्यास
(वैदिक एवं आधुनिक विज्ञान शोध संस्थान)
वेद विज्ञान मन्दिर, भागलभीम, भीनमाल
जिला-जालोर (राजस्थान) पिन- 343029
दूरभाष- 09414182173, 09829148400, 02969 292103
Website : www.vaidicscience.com
E-mail : swamiagnivrat@gmail.com

प्रतिलिपि सादर-

1.	**The University of Melbourne**	**Australia**
2.	The Australian National University	Australia
3.	Vienna University of Technology	Austria
4.	Université catholique de Louvain	Belgium
5.	Universidade de São Paulo	Brazil
6.	University of British Columbia	Canada
7.	University of Toronto	Canada
8.	Aarhus University	Denmark
9.	The University of Copenhagen	Denmark
10.	University of Helsinki	Finland
11.	Ecole Normal Sup´erieure	France
12.	Université Grenoble Alpes	France
13.	Ludwig-Maximilians-Universität München	Germany
14.	The Max Planck Society	Germany
15.	Technical University of Munich	Germany
16.	The University of Hong Kong	Hong Kong
17.	University College Dublin	Ireland
18.	Technion- Israel Institute of Technology	Israel
19.	University of Rome La Sapienza	Italy
20.	Tokyo Institute of Technology	Japan
21.	University of Tokyo	Japan
22.	Universidad Nacional Autónoma de México	Mexico
23.	Delft University	Netherlands
24.	The University of Auckland	New Zealand
25.	Faculdade de Ciências da Universidade de Lisboa	Portugal

26.	M.V.Lomonosov Moscow State University	Russia
27.	Novosibirsk State University	Russia
28.	National Univ of Singapore	Singapore
29.	Korea Advanced Institute of Science & Technology	South Korea
30.	Universidad Autónoma de Madrid	Spain
31.	KTH Royal Institute of Technology	Sweden
32.	ETH Zurich Administration D-PHYS	Switzerland
33.	National Taiwan University	Taiwan
34.	University of Cambridge	United Kingdom
35.	Imperial College London	United Kingdom
36.	University of California	United States
37.	Harvard University	United States
38.	Massachusetts Institute of Technology	United States
39.	Princeton University	United States
40.	Stanford University	United States

1.	Barry C. Barish	
2.	Kip S. Thorne	
3.	RAINER WEISS	

1.	CERN
2.	NASA